TERM-II

समास (अंक - 4)

प्र०1- समास किसे कहते हैं? सोदाहरण परिभाषित करें।

उ०- समास :- परस्पर संबंध रखने वाले दो या दो से अधिक शब्दों के या पदों के मिलाकर जब नया सार्थक शब्द या पद बनाया जाता है, तो उसके मेल की प्रक्रिया को समास कहते हैं तथा बनने वाले पद को समस्तपद कहते हैं।

उदाहरण :-
मन से चाहा = मनचाहा
आधा है जो भरा = अधभरा

प्र०2-> समास विग्रह किसे कहते हैं?
उ० -> समस्त पदों को अलग करने की प्रक्रिया को समास विग्रह कहते हैं।

उदाहरण =
कृष्णावतार = कृष्ण का अवतार
गंगाजल = गंगा का जल

प्रश्न 3-> समास कितने प्रकार के होते हैं? प्रत्येक समास का नाम भी लिखें?
उ० -> हिंदी में समास छः प्रकार के बताए गए हैं -

1- तत्पुरुष समास
2- कर्मधारय समास
3- द्विगु समास
4- बहुव्रीहि समास
5- द्वंद्व समास
6- अव्ययी भाव समास

प्र०-4- तत्पुरुष समास की परिभाषा उदाहरण सहित लिखें-

उ०-> जिस समास का उत्तर पद प्रधान होता है तथा पूर्व पद गौण होता है, उसे तत्पुरुष समास

कहते हैं।

उदाहरण :- राजपुत्र = राजा का पुत्र
गगनचुंबी = गगन को चूमने वाला

प्र०5- कर्मधारय समास किसे कहते हैं? उदाहरण भी लिखें।

उ० कर्मधारय समास :- जिस समास में विशेषण-विशेष्य, विशेष्य-विशेषण या उपमान-उपमेय अथवा उपमेय-उपमान संबंध होता है, उसे कर्मधारय समास कहते हैं।

उदाहरण :-
नीलगगन = नीला है जो गगन (विशेषण-विशेष्य)
महात्मा = महान है जो आत्मा (" - ")
कमलनयन = कमल के समान नयन (उपमेय-उपमान)

प्र० 6- द्विगु समास किसे कहते हैं? उदाहरण सहित परिभाषित करें।

उ० → जिस समास का पहला पद संख्यावाची होता है, उसे द्विगु समास कहते हैं।

उदाहरण :- दोपहर = दो पहरों का समाहार
पंचतंत्र = पाँच तंत्रों का समाहार

प्र० 7- बहुव्रीहि समास किसे कहते हैं? सोदाहरण परिभाषित करो।

उ०- जिस समास में दोनों पद प्रधान न होकर कोई अन्य पद प्रधान होता है, उसे बहुव्रीहि समास कहते हैं।

उदाहरण :- एकदंत = एक है दाँत जिसका अर्थात गणेशजी
नीलकंठ = नीला है कंठ जिसका अर्थात शिव

प्रश्न 8- द्वंद्व समास किसे कहते हैं? सोदाहरण परिभाषित करें।

उ० → जिस समास में दोनो पद प्रधान हों और जिसमें पदों को मिलाने वाले समुच्चय बोधक शब्दों

(और, तथा, या, अथवा, एवं) का लोप हो गया हो, उसे द्वंद्व समास कहते हैं, जैसे – दिलोदिमाग = दिल और दिमाग
हक्का-बक्का = हक्का और बक्का

प्र० 9 → अव्ययी भाव समास को सोदाहरण परिभाषित करें।
उ० → जिस समास में पूर्व पद प्रधान हो तथा अव्यय हो एवं उसके योग से समस्त पद भी अव्यय बन जाए, उसे अव्ययी भाव समास कहते हैं।
जैसे :–
कानो-कान = कान ही कान में
अनुरूप = रूप के योग्य
अकारण = बिना किसी कारण के

प्रश्न-10 → कर्मधारय एवं बहुव्रीहि समास में अंतर बताएँ।
उ० → कर्मधारय समास में विशेषण-विशेष्य संबंध होता है जबकि बहुव्रीहि समास में दोनों पद मिलकर किसी तीसरे पद की ओर संकेत करते हैं जैसे :–

नीला है जो कंठ = नीलकंठ (कर्मधारय)
नीला कंठ है जिसका अर्थात शिव जी (बहुव्रीहि)

प्र० 11 – द्विगु और बहुव्रीहि समास में अंतर बताओ।
उ० द्विगु समास में पहला पद दूसरे पद की विशेषता संख्या में बताता है, किंतु बहुव्रीहि समास में संख्यावाची पहला पद और दूसरा पद साथ मिलकर किसी तीसरे पद की ओर संकेत करता है; जैसे :–
आठ आनों का समाहार = अठन्नी (द्विगु)
आठ आने हैं जिसमें अर्थात अठन्नी (बहुव्रीहि)

प्र० 12 – निम्नलिखित समस्तपदों का विग्रह कीजिए तथा समास का नाम लिखो
हवन सामग्री, पदच्युत, प्रतिदिन
उ० → हवन सामग्री = हवन के लिए सामग्री (तत्पुरुष समास)

पदच्युत = पद से गिरा हुआ (तत्पुरुष समास)
प्रतिदिन = दिन दिन (अव्ययी भाव समास)

प्रश्न-13 ⇒ निम्नलिखित समास विग्रहों के लिए समस्त लिखिए तथा समास का नाम बताइए।
प्रसंग के अनुसार, युद्ध के लिए भूमि, मीठा है जो अन्न

उ० - प्रसंगानुसार - अव्ययी भाव समास
युद्धभूमि - तत्पुरुष समास
मिष्ठान्न - कर्मधारय समास

प्र० 14- अव्ययी भाव समास में किस पद की प्रधानता होती है?
उ० - अव्ययी भाव समास में पूर्व पद की प्रधानता होती है।

प्र० 15- किस समास में अंतिम पद प्रधान होता है?
उ० - तत्पुरुष समास में अंतिम (उत्तर) पद की प्रधानता होती है।

प्र० 16- निम्नलिखित समस्त पद के उचित विग्रह (✓) का चिह्न लगाइए -
पंचवटी - (i) पाँच वट (ii) पाँच वटों का समूह
(iii) पाँच है जो वट (iv) समूह है पाँच वटों का
उ० - पाँच वटों का समूह

प्र० 17- निम्नलिखित का समास विग्रह करके समास का नाम लिखें।
(i) सप्तद्वीप (ii) कमलचरण
उ० - सात द्वीपों का समूह - द्विगु समास
कमल जैसे चरण - कर्मधारय समास

प्र० 18- निम्नलिखित का समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखो -
पानी-बताशा, रेखांकित

उ०- पानी में डूबा बताशा - तत्पुरुष
रेखांकित = रेखा से अंकित - तत्पुरुष

प्र०19- संधि और समास में अंतर बताइए?

उ०- वर्णों के बीच होने वाला मेल व परिवर्तन संधि है जबकि दो परस्पर संबंध रखने वाले शब्दों या पदों का मेल समास कहलाता है।

प्र०20→ निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह कर समास का नाम लिखिए -
(i) चिकित्सालय, (ii) दोपहर
उ० (i) चिकित्सा के आलय - तत्पुरुष
(ii) दो पहरों का समाहार - द्विगु

"अशुद्धि शोधन" अंक- 4

प्र०(1) भाषा में किस प्रकार की अशुद्धियाँ पायी जाती हैं?

उ०- भाषा में होने वाली अशुद्धियाँ शब्द के स्तर पर तथा वाक्य के स्तर पर होती हैं।

प्र०(2) शब्द प्रयोग के स्तर पर प्रायः कौन-सी अशुद्धियाँ होती हैं?

उ०- (i) वर्तनी संबंधी अशुद्धियाँ
(ii) अन्यय रूपों के प्रयोग की अशुद्धियाँ
(ii) कारक-चिह्न संबंधी अशुद्धियाँ

प्र०(3) वाक्य के स्तर पर होने वाली प्रायः कौन-सी अशुद्धियाँ होती हैं?

उ०- (क) पदक्रम संबंधी अशुद्धियाँ
(ख) कर्ता, कर्म व क्रिया के मेल की अशुद्धियाँ
(ग) शब्दार्थ ज्ञान संबंधी अशुद्धियाँ
(घ) पुनरुक्ति की अशुद्धियाँ
(ङ) वाच्य / मुहावरे प्रयोग संबंधी अशुद्धियाँ
(च) लिंग / वचन संबंधी अशुद्धियाँ

प्र०(4) अव्यय रूपों के प्रयोग की ~~अ~~ होने वाली अशुद्धियों का उदाहरण दें।

उ० अशुद्ध वाक्य
(i) जितनी करनी वैसी भरनी
(ii) मुझे पचास रुपया चाहिए
(iii) अनेकों व्यक्तियों ने प्रदर्शिनी देखी।

शुद्ध वाक्य
(i) जैसी करनी वैसी भरनी।
(ii) मुझे पचास रुपये चाहिए।
(iii) अनेक लोगों ने प्रदर्शनी देखी।

प्र० (5) कारक चिह्न संबंधी होने वाली अशुद्धियों का उदाहरण दें।

उ० - अशुद्ध -

(i) मोर के पास सुंदर पंख होते हैं।
(ii) मैंने आज जाना है।
(iii) मेरे को किसी की चिंता नहीं।

- शुद्ध -

(i) मोर के पंख सुंदर होते हैं।
(ii) मुझे आज जाना है।
(iii) मुझे किसी की चिंता नहीं।

प्र० (6) पदक्रम संबंधी होने वाली कौन-सी अशुद्धियाँ हैं? उदाहरण दें।

उ० अशुद्ध -

(i) बच्चे को प्लेट में रख कर फल खिलाओ।
(ii) एक गीतों की पुस्तक चाहिए।
(iii) आप पक्के ईश्वर के भक्त हैं।

शुद्ध -

(i) बच्चे को फल प्लेट में रख कर खिलाओ।
(ii) गीतों की एक पुस्तक चाहिए।
(iii) आप ईश्वर के पक्के भक्त हैं।

प्र० (7) कर्ता, कर्म और क्रिया के मेल की अशुद्धियों का उदाहरण दें।

उ० - अशुद्ध -

(i) मेरा लक्ष्य केवल विद्या प्राप्ति होगी।
(ii) प्रधानाचार्य अध्यापक को बुलाए।
(iii) जब भी आप आओ मुझसे मिलो।

शुद्ध -

(i) मेरा लक्ष्य केवल विद्या-प्राप्ति होगा।
(ii) प्रधानाचार्य ने अध्यापक को बुलाया।
(iii) आप जब भी आएँ मुझसे मिलें।

प्र० 8- शब्दार्थ संबंधी अशुद्धियों का उदाहरण दें।

उ० ⇒ (i) इस भवन के गिरने का संदेह है।
(ii) शायद मेरा मित्र अवश्य आएगा।
(iii) यहाँ नहीं लिखो।

शुद्ध -
(i) इस भवन के गिरने की संभावना है।
(ii) मेरा मित्र अवश्य आएगा / मेरा मित्र शायद आएगा।
(iii) यहाँ मत लिखो।

प्र० 9- पुनरुक्ति संबंधी अशुद्धियों का उदाहरण दें।

उ० - अशुद्ध
(i) मैं सप्रमाण सहित कहता हूँ।
(ii) उनका बहुत भारी सम्मान हुआ।
(iii) हमलोग यहाँ सकुशलतापूर्वक हैं।

शुद्ध -
(i) मैं सप्रमाण कहता हूँ।
(ii) उनका बहुत सम्मान हुआ।
(iii) हमलोग यहाँ सकुशल हैं।

प्र० 10 - वाच्य-परिवर्तन / मुहावरे संबंधी अशुद्धियों का उदाहरण दें।

उ० अशुद्ध -
(i) उसके तो मुँह से फूल गिरते हैं।
(ii) उसकी तो तकदीर फूट गई।
(iii) सैनिकों ने चौकी छूटी गई।

शुद्ध
(i) उसके तो मुँह से फूल झड़ते हैं।
(ii) उसकी तो तकदीर ही फूट गई।
(iii) सैनिकों द्वारा चौकी छूटी गई।

प्र० 11 - लिंग / वचन संबंधी अशुद्धियों के उदाहरण दें।

उ० - अशुद्ध
(i) कमलेश ने मुझे दिल्ली दिखाया।
(ii) गुणवान स्त्रीसर्वत्र पूजी जाती हैं।

(iii) वह अनेकों भाषाएँ जानता है।

शुद्ध -
(i) कमलेश ने मुझे दिल्ली दिखाई।
(ii) गुणवती स्त्री सर्वत्र पूजी जाती है।
(iii) वह अनेक भाषाएँ जानता है।

निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिए -

1- रविवार के दिन माँ व्रत करती है।
2- वहाँ असली गाय का दूध मिलता है।
3- हमारे को भी कुछ बताओ।
4- सज्जन लोगों की पहचान उनकी उदारता है।
5- हम आपके घर कल आएगा।
6- ताजा अनार का रस पीजिए।
7- कृपया मुझे सात दिन का अवकाश देने की कृपाकरें।
8- लड़के ने रोटी खाया।
9- आपके बात सुनकर मैं विस्मय हूँ।
10- आप खाना खाओगे।

उ (1) रविवार को माँ व्रत करती हैं।
(2) वहाँ गाय का असली दूध मिलता है।
(3) हमें भी कुछ बताओ।
(4) सज्जनों की पहचान उनकी उदारता है।
(5) हम आपके घर कल आएंगे।
(6) अनार का ताजा रस पीजिए।
(7) कृपया मुझे सात दिन का अवकाश प्रदान करें।
(8) लड़के ने रोटी खाई।
(9) आपकी बात सुनकर मैं विस्मित हूँ।
(10) आप खाना खाएंगे।